

Short Title **BHAI RAVA-PRATIṢṬHĀ-VIDHI**

NEPAL-GERMAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

Place of Deposit: **RĪMA KARMĀCĀRYA** Private: **KIMTUNDH NĀLA**

Manuscript No.

रिव **TANRA**

Running No. **I.383**

TITLE (acc. to Colophon/Catalogue):

ADAU 1. **ATHA BHAI RAVA-PRATIṢṬHĀ-**
VIDHI [sic]

ANTE 2. **ĪTĪ 'SĀT BHAI RAVA PRATIṢṬĀ**
VIDHI SAMPŪRN NĀMA [sic]

AUTHOR:

No. of leaves: **19** @compl. Size in cm: **24.9 x 8.2**

Reel No. **I. 23**

Date of filming: **30.8.79** Script: - ~~Davang~~ Newari-Tibetan-Monhill

Remarks: paper - ~~Thrasapha~~ palm leaf, damaged by worms-rats-water-smoke-breaking

Colour slide: No.

SCRIBED: **JAYATARĀJA**

Date: NS, VS, Shaka-

854

७१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्प्रतिष्ठाविधिः ॥ दिनयज्ञं नम्रयाय ॥ कथं
 कृजयमानं आचार्यं ॥ लूसियाय ॥ नमो नयाय ॥ नित्यं कर्मयाय ॥ अदि
 लिदयकलेसा ॥ थदिलिवाय ॥ यज्ञं सा नमः कलसवाय ॥ विवकनमदयक
 वनकरुकयाय ॥ सकि नित्यं कर्मयाय ॥ नेत्रं लक्ष्मीं सजयमानं नमः
 या ॥ आचार्यं वायक ॥ जयमानं दृष्ट्वा राजने ॥ आचार्यं नमः नयाय ॥
 लया बुभुक्षया च यज्ञा ॥ आर्म्हया ॥ अथ भगवत्प्रतिष्ठाविधिः ॥ १० यज्ञं नमः कलसवाय ॥

७१

बाप॥ पर्व नद किं वधि भारुना त्यादि॥ वलिवि सक्तु न॥ यहु सा ला य आ क
 सवलि क्य॥ न मा झ न त व फ्र सा थ न॥ कृष्ण कृष्णि हा का का या व ह्ना न त व फ्र द य क
 कृष्ण प ३२॥ स थू या व द य क॥ ए ज न॥ जू धा ना मु न म जू न ज प ल य थ न २॥ जू
 धा ना मु न॥ ख उं (ग न स य कृ नू॥ जा या॥ जू धा ना मु न॥ वि ह्ना न त व फ्र सा थ न॥ ख ३
 व ला हा न त व फ्र कृ कृ कृ व न य॥ न मा कृ मि सा थ न या य॥ कृ मि स य जा॥ उं न व वा
 स थि य न य व कृ (६२॥ उ व पा ७ न स ता द न्या य॥ जू म्भ म लु न॥ कृष्ण द क न जू नु

न हा य॥ अ र्ध या जा द क न ग य पि न हा य॥ य ना वा स न म लु न ३ वा य॥ द थू स लु हि न
 य॥ ए जा॥ उं स वी त्रि वि ना झ य व कृ (६॥ द किं व स हि वि ए जा॥ उं झ कि का अ म्भ म
 कृ य २॥ उं ल स ना य ए जा॥ उं य कि का य ल मि म्भ कृ य २॥ वि हि जू न य जा॥
 ला वा ए जा॥ उं स क्री ल क्री म्भ कृ य २॥ नु रु य जा॥ उं क्री व कृ (६॥ ॥ य हु सा म ला
 स हा ल॥ जू म्भ म लु न॥ श्री ख लु न का य का वि द्वा य वा क मा स न स म्भ गु ल मा जू
 कृ म्भ कृ जू न य ल या व य हु सा ला स हा ल॥ ॥ जू म्भ म लु न प की ग य त हा

[illegible]

नमः॥ कौटुक॥ यन्म॥ मरुतयन्म॥ नखयाला॥ कलिक॥ ॐ हंजकायरा॥ ॐ हंजजकनोर॥
 ॐ हंजसजियेरा॥ ॐ हंजकौलकौर॥ वन्दनीदिवलि॥ गमयति॥ ॐ मयाजानायरा॥ वामदवा॥
 अथान॥ नरनम॥ अथान॥ नमस्तुदिलयजा॥ भिवनाथनम्यासा॥ अथयात्रयुजनी॥ ॥
 श्रीया॥ नानयरा॥ वेनासाया॥ नृपथीया॥ अथश्रीया॥ अथानाया॥ अथेनासाया॥ अथेनसया॥
 अथानाया॥ अथानाया॥ ॐ हंजकौलकौर॥ मयरा॥ अथि॥ मरुतयन्म॥ नखयाला॥ नानयरा॥ हदः॥
 यादि॥ अथ॥ ॐ हंजकौलकौर॥ मयरा॥ अथि॥ मरुतयन्म॥ नखयाला॥ नानयरा॥ हदः॥

नयनन॥ अत्रुमृदा॥ अत्रिचनूसाभन॥ अलकानक॥ विविथ॥ वाहनकायदाहनि॥
 यमाहनि॥ हाअयज॥ अत्रविविथ॥ अिलाहनिविय॥ यजायादाकथन॥ यय
 वमकुतजाहनि॥ यवरसिलाकनलाया॥ कलयेहेनि॥ अत्रवानलाया॥ अत्राहनि॥ अत्रन १२
 लागसाथनावादाववियमलागसालि॥ अत्रवि॥ अत्रसुतमभुयंगकम॥ यत्रयै॥ अत्र
 दवसायाया॥ यमवाहनन॥ अत्रयानाकयन॥ अत्रयुयुअत्र॥ अत्रायादवन॥ अत्रयिथम
 या॥ अत्रसहिसचवकिवाया॥ अलकावाये॥ अत्रमभुययजा॥ अत्राया॥ अत्रयययजा॥ अत्र

मभुयैकगवनहाय॥ अत्रयही॥ अत्रुतत्रयपावनहाय॥ वरुस्कात्ता॥ अत्रकलसपर
 जा॥ अत्रादादसमृद्धिकाददयतयजा॥ अत्रवकखाखनिनसायजन॥ अत्रात्तातकल
 सपरजा॥ अत्रात्रसमृद्धायतम॥ अत्रनकनामयनम॥ अत्रवकुयजा॥ अत्रात्तातकल
 नुवसिखनयजा॥ अत्रयैकमभयहीन॥ अत्रयैकलस॥ अत्रादयकवचन॥ अत्रयैकमभयहीन॥ अत्र
 कनायाया॥ अत्रात्तातवकुनयजा॥ अत्रयैकम॥ अत्रादयकवचन॥ अत्रयैकमभयहीन॥ अत्र
 अकलस॥ अत्रात्तातसमृद्धिकाददयतयजा॥ अत्रयैकमभयहीन॥ अत्रात्तातकल

या॥ यातिक ल्य ना॥ हृदय त आहृति॥ वीर्य य दान॥ गायत्री न आहृति॥ नका क वच न आहृति॥
 ग र्वा॥ न आहृति॥ म र्वा॥ न हृदय त म आहृति॥ य प्रव न नि न न आहृति॥ अ म लु
 न य र्वा॥ न आहृति॥ अ म क म् क वच न आहृति॥ अ य र्वा॥ ल वीर्य द ह्य॥ व र्वा॥ ल
 मि र्वा॥ न क न॥ अ म लु न आहृति॥ य न म् अ य म् ल न आहृति॥ ३॥ ता डि छ ड न अ ल न आ
 हृति॥ म कि जा ग ल न व न आहृति॥ पि पा ल ह्य॥ म ना या न॥ श र्वा॥ क ल न त ह म् अ य र्वा
 म॥ उ ल त॥ म ल न आहृति॥ म न क व न क म य र्वा॥ न आहृति॥ नि क म न न व न आहृति॥ य

१५

ल ह्य॥ ना म क ल न अ लु व आहृति॥ थ ल हृदय या ना म वा या व पा श न या च क॥ ना शि
 च क॥ म ल न॥ हृ ल पा श न अ लु त आहृति॥ म पि न शृति॥ अ म पा श न त व न आहृति॥ च न
 न॥ अ व म न अ ल म नु न॥ वृ ज क म क वच न आहृति॥ ल ड हृ ल त॥ क र्वा॥ श द ल ह्य॥
 न आहृति॥ ल ड हृ ल॥ वा क हृति॥ ली म य॥ व र्वा॥ न म ल न शि ल न आहृति॥ क म वि
 य॥ ग य र्वा॥ न आ ना वि र्वा॥
 न थ र्वा॥ न आहृति॥ वि वा हा॥ हृदय त आहृति॥ न त म् अ य द न क वच न॥ का र्वा॥ न त ह्य॥ य निः

[illegible]

ल्यमासनकृत॥ ॐ ह्रीं यतिशुभासि यदूर्ना अर्चयन्तु लभ्यते ॥ सर्वपापविनिर्मुक्तना
 यमाणा ग्यवर्द्धन ॥ यत्तु (सर्व) सर्वे न स्वयं सुखं च जेनव ज्यत् ॥ निर्विघ्नमीह कर्माणि नाज
 नास्तु शुभादयं ॥ यजमानादि सर्वेषु आनन्दे कृतं नास्तु ॥ यावत्तु न्यका मर्गं भाग्यदिति
 सकलं न ॥ यावत्तु न्यका मर्गं भाग्यदिति ॥ नभा साक्षात्तदवाचनं ॥
 न्याम ॥ जलपात्रं अर्घ्यपात्रं यज ॥ नृकस्तु हि आत्मयज ॥ आवाहनं ॥ ॐ ह्रीं स्वच्छन्दमहार
 लवय आगच्छ ॥ ह्रीं ह्रीं ॥ विदव ॥ वा ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं व ॥

यथादकि॥ बुद्धिं ह्यहिनी रूढं स्वनाय॥ यमगवयूजा॥ आभनसकयत्यादि॥ यनामन
॥ यं वचकं महांतर्ज विधयनयनाकली॥ गनवाङ्महाकचनानाप्रममम
दिक॥ नानातुलनयकृताननयूनमहिर्वा॥ अताजुष्यनदिव्यवडाईकमनायली॥
दशकलालनोडवे किचिदकुयनकन॥ नीलायलनिरुसामनीलीजनसमयर्ज॥ मनि
स्यंकाभावापिगकजसहीयन॥ विष्टलकरुनीखड्गनागनाजाकसर्क॥ दकि॥ वन
वननंरुविनाङ्गजयायू॥ निम॥ कयालउमनू॥ कि॥ पाभाङ्कभवत्पिय॥ वाभनआयू

[illegible]

नको॥२॥रुमिका॥नको॥२॥पुनःनहिका॥नको॥२॥२३वाक्का॥नको॥२॥२४वाक्का॥नको॥२॥
 उ॥सुनिका॥नको॥२॥नित्ताकिन्नायक॥यष्टिमा॥हुं॥जं॥सिद्धनाथवाक्का॥नको॥२॥दक्षिण
 २॥मसिद्धनाथ॥जं॥मकला॥ये॥२॥य॥२॥ना॥गसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥
 २॥मसिद्धनाथ॥निरुक्ति॥कला॥ये॥२॥ने॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥
 २॥मसिद्धनाथ॥विद्या॥कला॥ये॥२॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥
 दि॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥

१५

निष्ठा॥सनत्तया॥मा॥नवा॥स्वान॥मृकन॥थन॥नत्तया॥पञ्चम॥नत्तया॥मा॥सा॥
 यव॥मा॥मा॥सा॥नत्तया॥मा॥सा॥नत्तया॥मा॥सा॥नत्तया॥मा॥सा॥
 नक॥कल॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥मसिद्धनाथ॥
 न॥वन्न॥नत्तया॥मा॥सा॥नत्तया॥मा॥सा॥नत्तया॥मा॥सा॥
 जा॥मा॥नत्तया॥मा॥सा॥नत्तया॥मा॥सा॥नत्तया॥मा॥सा॥